कृपया पालय शौरे

रागम्: चारुकेशि ताळम्: चापु

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

कृपया पालय शौरे करुणारसावास
कलुषार्त्तिविराम

अनुपल्लवि

तपनीयनिभचेल तुहिनांशु सुवदन
श्रीपद्मनाभ सरसिजलोचन

चरणम्

अमरनिकर चारु हेम मौलि राजित-

तामरसघनमददारणचण पाद

विमलभक्तिलोलुप समसेवकाखिल-
कामदाननिरत कमनीयतरापाङ्ग ॥ १ ॥

कुन्दद्युतिलसित मन्दहासरुचि-

नन्दित नुतिपर बृन्दारकसञ्चय

वन्दारुसमुदय मन्दार परमार-
विन्द सायकसम सुन्दराङ्ग भासित ॥ २ ॥

कुरु मे कुशलं मुदा कुरुविन्दनिभदन्त

निरुपम संसार नीरधिवर पोत

नारदमुख मुनिनिकर गेयचरित
वारय ममाखिलपापजातं भगवन् ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇